



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 19 मई, 2003/29 वंशाब्द, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत), जिला सिरमौर, नाहन, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

नाहन, 23 अप्रैल, 2003

क्रमांक पी०सी०एन०-एस०एम०आर०(5)/2001-362-67.—हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 22 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिमूचना संख्या एस० इ० सी० 16-18/96-461-80, दिनांक 9 अप्रैल, 2003 द्वारा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज संस्थाओं में दिनांक 31-3-2003 तक रिक्त हुए पदों के उप-चुनावों हेतु आयोग द्वारा निर्धारित आवृत्ति सीमा 1-1-2003 के आधार पर पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचन, 2000 हेतु तैयार की गई वार्डवार मतदाता सूचियों के विशेष पुनर्वालीकन कार्यक्रम प्रकाशित कर दिया गया है, जो निम्नवर्णित है:—

- |  |  |
|--|--|
| 1. गत वर्ष के दौरान तैयार की गई मतदाता सूचियों का डाफ्ट मुद्रण । | 25-4-2003  |
| 2. दावे एवं आक्षेप प्रस्तुत करने की अवधि                         | 26-4-2003 से 2-5-2003 तक   |
| 3. दावे एवं आक्षेप निपटाए जाने की अवधि                           | 3-5-2003 से 6-5-2003 तक  |
| 4. अपील प्रस्तुत करने की अवधि                                    | पुनर्वालीकन अधिकारी द्वारा पारित आदेशों की तिथि से सात दिन के भीतर-भीतर अपील कर सकेंगे । |

5. अपील निपटाए जाने की अवधि

14-5-2003 से 20-5-2003 तक

6. मतदाता सूचियों का अन्तिम प्रकाशन

21-5-2003

दिनांक 31-3-2003 तक इस जिला में संलग्न सूची में वर्णित रिक्तियां हुई हैं, जिनमें उप-चुनावों हेतु मतदाता सूचियों का पुनर्वालोकन किया जाना है।

उपरोक्त कार्यक्रम के दृष्टिगत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 17 के अन्तर्गत मैं, श्रीकार शर्मा, भा० प्र० से०, उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत), जिला सिरमौर, नाहन, हिमाचल प्रदेश, तहसीलदार, नाहन, पांवटा साहिब, शिलाई, संगडाह तथा राजगढ़ को उनके कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत पंचायती राज संस्थाओं के सामान्य निर्वाचन, 2000 हेतु उक्त संलग्न सूची में वर्णित ग्राम पंचायतों के वार्डों की तैयारी की गई मतदाता सूचियों के पुनर्वालोकन हेतु पुनर्वालोकन अधिकारी नियुक्त करता हूँ।

श्रीकार शर्मा,  
जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत),  
जिला सिरमौर, नाहन, हिमाचल प्रदेश।

जिला सिरमौर में रिक्त हुई पंचायत पदाधिकारियों के पदों की सूची

पंचायत समिति

क्र० सं०	पंचायत समिति का नाम	वार्ड नं० व नाम	निर्वाचन क्षेत्र/वार्ड की सीमा	अभिरक्षण
1	2	3	4	5
1.	संगडाह	वार्ड नं० 9, कोटि धीमान	सम्पूर्ण ग्राम पंचायत कोटिधमान व खूड द्राबल।	अनारक्षित
2.	पांवटा साहिब	वार्ड नं० 9 जामना	सम्पूर्ण ग्राम पंचायत जामना व शावगा।	अ० जा० म०

प्रधान

क्र० सं०	विकास खण्ड का नाम	ग्राम पंचायत का नाम	अभिरक्षण
1	2	3	4
1.	राजगढ़	शाया शनौरा	अ० जा० म०
2.	संगडाह	भवाई	महिला
3.	संगडाह	गनोग	अनारक्षित

1	2	3	4
---	---	---	---

उप-प्रधान

1. राजगढ़	देवठी कझगांव	अनारक्षित
2. राजगढ़	टाली भुज्जल	अनारक्षित
3. शिलाई	नैनीधारा	अनारक्षित
4. शिलाई	सखौली	अनारक्षित

ग्राम पंचायत के वार्ड सदस्य

क्र० सं०	विकास खण्ड का नाम	ग्राम पंचायत का नाम	वार्ड नम्बर व नाम	आरक्षण
1	2	3	4	5
1.	नाहन	नेहर सवार	1—मानरिया	महिला
2.	राजगढ़	कोटिया झालर	1—कोटिया झालर	अ० जा० म०
3.	राजगढ़	शलाना	4—शलाना-2	अनारक्षित
4.	राजगढ़	कोटि पधोग	4—कुफर मांड	अनारक्षित
5.	संगडाह	चोकर	1—बान्दन-1	अ० जा०
6.	संगडाह	लुधियाना	2—कण्डियाना-2	अनारक्षित
7.	संगडाह	खूड ब्राबिल	2—खूड-2	अ० जा०
8.	संगडाह	सांगना	1—गता मडवाच	महिला
9.	संगडाह	जरग	2—जरग-2	अनारक्षित
10.	यंगढसह	गनोग	3—गनोग-1	अ० जा० म०
11.	संगडाह	गनोग	5—गनोग-3	महिला
12.	संगडाह	नौहराघार	7—कुटवी पनारा-भोग बठेडवी	अ० जा०
13.	संगडाह	रजाना	4—रजाना-3	अ० जा०
14.	संगडाह	शिलावडा	1—शिलावडा-1	महिला
15.	संगडाह	माईना घडेल	6—काकोग	अनारक्षित
16.	संगडाह	भूडलो मानल	5—मानल	अ० जा०
17.	शिलाई	अजरोली	5—अजरोली-2	अ० जा० म०
18.	शिलाई	झकाण्डों	2—घारवा बागनल	महिला
19.	शिलाई	झकाण्डों	6—झकाण्डों-2	अ० जा०
20.	शिलाई	झकाण्डों	7—भटेवडी	अनारक्षित
21.	शिलाई	जरवा जुनैली	6—डाहर-1	अनारक्षित
22.	शिलाई	जरवा जुनैली	7—डाहर-4	अ० जा० म०
23.	शिलाई	कोटा पाव	1—बागना	अनारक्षित
24.	शिलाई	क्यारी गुण्डाहां	3—गुण्डाहां	अ० जा०
25.	शिलाई	कोटि बोछ	4—लानी बरोड-1	अनारक्षित
26.	शिलाई	नाया	2—नाया-1	महिला
27.	शिलाई	शखौली	1—खडकाहां-1	महिला
28.	शिलाई	शखौली	3—खाडी	महिला

1	2	3	4	5
29.	पांवटा साहिब	पातलियों	3 -- पातलियों-1	अनारक्षित
30.	पांवटा साहिब	चान्दनी	3--चान्दनी-3	महिला
31.	पांवटा साहिब	कुन्जा	4-- कुन्जा-2	अ० जा०
32.	पांवटा साहिब	पल्होडी	1--पल्होडी-1	अनारक्षित
33.	पांवटा साहिब	शरली मानपुर	1--शरली मानपुर-1	अनारक्षित
34.	पांवटा साहिब	बढाना	1--कलाथा-1	अ० जा०
35.	पांवटा साहिब	बढाना	2--कलाथा-2	महिला
36.	पांवटा साहिब	डाण्डा	2--कण्डेला अदवाड	अनारक्षित

श्रीकार शर्मा,

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत),  
जिला सिरमौर, नाहन, हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय उपायुक्त, नाहन  
जिला सिरमौर (हि० प्र०)

अधिसूचना

नाहन, 23 अप्रैल, 2003

संख्या : पी० सी० एन०-एस० एम० आर०(5)/2000-2147-48.--इस कार्यालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या : पी०सी०एस०-एस० एम० आर०(5)/2001-1797-1821, दिनांक 3-4-2003 द्वारा पंचायत समिति, नाहन, जिला सिरमौर, हि० प्र० के रिक्त घोषित किए गए अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के पदों हेतु दिनांक 21-4-2003 को उप-मण्डल अधिकारी (नागरिक), नाहन, जिला सिरमौर की अध्यक्षता में करवाए गए निर्वाचन में पंचायत समिति, नाहन के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के पदों हेतु निर्वाचित पदाधिकारियों के नामों की अधिसूचना में, श्रीकार शर्मा, भा० प्र० से०, उपायुक्त, जिला सिरमौर, नाहन (हि० प्र०) हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 124 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 126 के अन्तर्गत निम्नानुसार जारी करता हूँ :—

क्र० सं०	पिता/पति के नाम सहित पदाधिकारी का नाम व पूरा पता	पद का नाम	आरक्षण	निर्वाचित
1	2	3	4	5
1.	श्रीमती रेखा देवी पत्नी श्री बाबू राम, ग्राम मजोली, डा० व तहसील नाहन, जिला सिरमौर (हि० प्र०)।	अध्यक्ष	अ० जा० म०	निर्विरोध
2.	श्री रोशन लाल पुत्र श्री कन्हैया लाल, ग्राम सुकेती, डा० बिक्रमबाग, तहसील नाहन, जिला सिरमौर (हि० प्र०)।	उपाध्यक्ष	अनारक्षित	निर्विरोध

कार्यालय आदेश

नाहन, 25 अप्रैल, 2003

क्रमांक पी० सी० एन०-एस० एम० आर० (धारा 122)/2003-2184-95.—यह कि विश्वमतीय सूत्रों से मूचना प्राप्त हुई कि श्री पृथ्वी सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत, मधाना, विकास खण्ड पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश के तीन पत्नियां श्री जिममें से तहजी पत्नी की मृत्यु पंचायती राज संस्थाओं के ग्राम चुनाव, 2000 से पूर्व हो जानी बताई गई तथा चुनावों में पूर्व इन तीनों पत्नियों में श्री पृथ्वी सिंह के पास आठ जीवित बच्चे होने भी बताया गए और अब जेप दो पत्नियों में से एक पत्नी द्वारा दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त एक नौवें शिशु का जन्म होना बताया गया है और इस शिशु को जन्म देने वाली पत्नी को प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत मधाना के परिवार रजिस्टर से नाम कटवा कर अन्यत्र भेज दिया जाना बताया गया है।

यह कि उपरोक्त तथ्यों की पुष्टि हेतु श्री पृथ्वी सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत, मधाना तथा ग्राम पंचायत मधाना के ग्राम पंचायत एवं विकास खण्ड अधिकारी को ग्राम पंचायत के सम्बन्धित रिकार्ड सहित बुलाया गया तथा उनके ब्यानात कलमबद्ध किए गए। श्री पृथ्वी सिंह, आरोपित प्रधान ने अपने ब्यान में अपनी तीसरी पत्नी श्रीमती शशी बाला के बारे में बताया कि श्रीमती शशी बाला उसके यहां पुरानी रीत प्रथा के अन्तर्गत आई थी जो किसी मतभेद के कारण उसे तलाक देकर अपने मायके चली गई थी तथा उसे यह भी मालूम नहीं कि श्रीमती शशी बाला ने किसी शिशु को जन्म दिया है तथा वह शिशु किसका है। श्री पृथ्वी सिंह ने शशी बाला द्वारा दिया गया तलाकनामा की छाया प्रति प्रस्तुत की जिस पर श्रीमती शशी बाला तथा श्री पृथ्वी सिंह के अतिरिक्त चार गवाहों के हस्ताक्षर होने पाए गए हैं, किन्तु यह तलाकनामा न तो किसी सक्षम अधिकारी द्वारा सत्यापित है और न ही किसी दक्षम न्यायालय द्वारा जारी है। श्री नारा दत्त, ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत, मधाना ने अपने ब्यान में बताया कि विवाह पंजीकरण रजिस्टर में श्री पृथ्वी सिंह तथा श्रीमती शशी बाला का विवाह दर्ज नहीं है अतः तत्परिवार रजिस्टर के पृष्ठ संख्या 62 में क्रम संख्या 12 पर श्रीमती शशी बाला श्री पृथ्वी सिंह की पत्नि दर्ज है तथा कुमारी मोनिका क्रम संख्या 13 पर श्री पृथ्वी सिंह की पुत्री दर्ज है, जिसका जन्म 16-11-2000 को होना दर्ज है। परिवार रजिस्टर की प्रविष्टियों के अनुसार श्री पृथ्वी सिंह के आठ जीवित बच्चे होने पाये जाते हैं। ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी ने अपने ब्यान में यह भी बताया कि दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त श्री पृथ्वी सिंह के किसी भी शिशु के जन्म की प्रविष्टि जन्म पंजीकरण रजिस्टर में नहीं है। श्री पृथ्वी सिंह द्वारा प्रस्तुत लिखित जवाब से इस तथ्य की पुष्टि हुई है कि श्री पृथ्वी सिंह व श्रीमती शशी बाला की शादी हुई है जो तथाकथित तलाक के पश्चात् अपने मायके ग्राम बडोण, डाकघर ददाहू, में रहती पाई गई। विवादित शिशु के जन्म की पुष्टि हेतु ग्राम पंचायत, ददाहू का जन्म पंजीकरण रजिस्टर इस आशय से मंगवाया गया क्योंकि श्रीमती शशी बाला ग्राम पंचायत ददाहू के क्षेत्र में रहती पाई गई। ग्राम पंचायत, ददाहू के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के पृष्ठ संख्या 3 पर क्रम संख्या 3/03 पर विवादित शिशु (पुरुष) का जन्म दिनांक 7-1-2003 को रैफाल हॉस्पिटल, ददाहू में होता पाया गया जिसका पंजीकरण हॉस्पिटल द्वारा दी गई मूचना पर दिनांक 7-1-2003 को ही कर दिया जाना पाया गया। इस रजिस्टर में दी गई प्रविष्टि से विवादित नवजात शिशु के माता-पिता के नाम श्रीमती शशी बाला व श्री पृथ्वी सिंह, आरोपित प्रधान दर्ज होने पाए गए हैं। अतः उपर्युक्त तथ्यों ने यह पुष्टि हो जाती है कि श्री पृथ्वी सिंह, आरोपित प्रधान, ग्राम पंचायत, मधाना के यहां दिनांक 7-1-2003 को नौवें शिशु का जन्म हुआ है।

अतः मैं, ओंकार शर्मा (भा० प्र० मे०), उपायुक्त, जिला सिरमौर, नाहन, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री पृथ्वी सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत मधाना, विकास खण्ड पांवटा साहिब को उक्त अधिनियम की धारा 122 (1) (ण) के अन्तर्गत अयोग्य घोषित करता हूं तथा उक्त अधिनियम की धारा 131 (2) के अन्तर्गत नाम पंचायत मधाना, विकास खण्ड पांवटा साहिब के प्रधान पद को रिक्त घोषित करता हूं।

ओंकार शर्मा,

उपायुक्त,

जिला सिरमौर, नाहन (हि० प्र०)।

नाहन, 29 अप्रैल, 2003

संख्या पी० सी० एन०-एस० एम० आर० (5) 50(11)/96-2584-92.—यह कि जिला सिरमौर की ग्राम पंचायतों के निम्न वर्णित पदाधिकारियों ने त्याग-पत्र स्वयं अधोहस्ताक्षरी की तारीख है :—

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम, पद, वार्ड नं०, ग्राम पंचायत व विकास खण्ड का नाम	त्याग-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख	त्याग-पत्र के कारण
1.	श्री सोहन सिंह, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत दाना घाटी, विकास खण्ड संगड़ाह ।	17-4-2003	हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड "ण" के अन्तर्गत अयोग्य हो जाने के कारण त्याग-पत्र प्रस्तुत किया है ।
2.	श्री हरबिन्द सिंह, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत काण्डों कांसर, विकास खण्ड पांवटा साहिब ।	22-4-2003	-यथोपरि-

अतः मैं, एम० एस० नेगी, जिला पंचायत अधिकारी, जिला सिरमौर, नाहन (हि० प्र०), हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130 तथा हि० प्र० पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 135 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऊपर वर्णित दोनों पदाधिकारियों के त्याग-पत्र स्वीकार करता हूँ ।

एम० एस० नेगी,  
जिला पंचायत अधिकारी,  
जिला सिरमौर, नाहन (हि० प्र०) ।

नाहन, 29 अप्रैल, 2003

क्रमांक पी० सी० एन०-एस० एम० आर० (धारा-122)/2003-2573-83.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी, पांवटा साहिब से सूचना प्राप्त हुई है कि श्री कशमीरी लाल, सदस्य, वार्ड नं० 8-टोर्कियो-3, ग्राम पंचायत सैनवाल-मुबारकपुर, विकास खण्ड पांवटा साहिब के यहां दिनांक 29-10-2002 को एक सातवें शिशु का जन्म हुआ है । इस तथ्य की पुष्टि हेतु श्री कशमीरी लाल कथित सदस्य तथा ग्राम पंचायत सैनवाल-मुबारकपुर के ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी को परिवार रजिस्टर व जन्म पंजीकरण रजिस्टर सहित बुलाया गया ।

यह कि कथित सदस्य, श्री कशमीरी लाल व कथित ग्राम पंचायत का ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी तलविदा रिकार्ड सहित उपस्थित आए । तलविदा रिकार्ड का अवलोकन किया गया तथा जन्म पंजीकरण रजिस्टर के पृष्ठ संख्या 57 में क्रम संख्या 64 पर दिनांक 28-11-2002 को श्री कशमीरी लाल, कथित सदस्य के यहां दिनांक 29-10-2002 को जन्मे शिशु का पंजीकरण श्री कशमीरी लाल द्वारा स्वयं ही दर्ज करवाया जाना पाया गया तथा परिवार रजिस्टर के पृष्ठ सं० 3 में मकान नं० 79 के अन्तर्गत यह नवजात शिशु (पुत्री) श्री कशमीरी लाल का सातवां शिशु होना पाया गया है । इस तथ्य को श्री कशमीरी लाल ने भी अपने ध्यान, दिनांक 22-4-2003 को स्वीकार किया है, किन्तु उसके ध्यान के अनुसार यह विवादित नवजात शिशु उसकी पत्नी श्रीमती अनीता का दिनांक 29-1-2002 को परिवार नियोजन के अन्तर्गत हुए ओपेशन होने के उपरान्त हुआ है तथा वह इस शिशु के जन्म को अपनी इच्छा के विरुद्ध होना मानता है तथा

ओपेशन से सम्बन्धित प्रमाण-पत्र की छायाप्रति भी उसने अपने ब्यान में प्रस्तुत की है तथा इस प्रकार उसका कथन भी सत्य है। किन्तु यह तथ्य हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) में इस अधिनियम के वर्ष 2000 के 18वें संशोधन अधिनियम की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड "ण" के प्रावधानों को प्रभावित नहीं करता है। इस प्रकार उक्त तथ्य की पुष्टि पूर्ण रूप से हो गई है।

अतः मैं, श्रीकार शर्मा (भा0 प्र0 से0), उपायुक्त, जिला सिरमौर, नाहन, हिमाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (2) (11) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री कशमोरी लाल, सदस्य, वार्ड नं0 8-टोकियो-3, ग्राम पंचायत सैनवाला-मुबारकपुर, विकास खण्ड पांवटा साहिब को उक्त अधिनियम की धारा 122 (1) में उक्त अधिनियम के वर्ष 2000 के 18वें संशोधन अधिनियम की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड "ण" के अन्तर्गत उक्त सदस्यता हेतु अयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ग्राम पंचायत सैनवाला-मुबारकपुर, विकास खण्ड पांवटा साहिब के वार्ड नं0 8-टोकियो-3, के सदस्य पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

नाहन-2, 21 अप्रैल, 2003

क्रमांक पी0 सी0 एन0-एस एम0 आर0 (धारा-122)/2003-2523-56.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी, संगडाह, जिला सिरमौर से सूचना प्राप्त हुई कि श्रीमती तोता देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत, रणफुआ जबडोग ने दिनांक 19-9-2002 को एक तीसरे शिशु को जन्म दिया है तथा अपनी रिपोर्ट के साथ प्रारूप सं0 9 पर उक्त शिशु का जन्म प्रमाण-पत्र, परिवार रजिस्टर के पृ0 संख्या 116 की नकल, उप-पंजीपाल, रेणुका द्वारा जारी गोदनामा के पंजीकरण की रसीद की छायाप्रति तथा पंजीकृत गोदनामा की छायाप्रति भी संलग्न की हैं। इन तथ्यों की पुष्टि हेतु श्रीमती तोता देवी, प्रधान तथा ग्राम पंचायत, रणफुआ जबडोग के ग्राम पंचायत एवं रजिस्टर विकास अधिकारी को जन्म पंजीकरण व परिवार रजिस्टर सहित उपस्थित आने हेतु नोटिस जारी किए गए।

यह कि श्रीमती तोता देवी, प्रधान उपस्थित तो आई किन्तु वह अपने पक्ष में बिना कोई सफाई दिए या बिना अपना कोई ब्यान दिए तथा बिना अनुमति के कार्यालय से चली गई, जिस कारण उसके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। ग्राम पंचायत, रणफुआ जबडोग का ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी जन्म पंजीकरण रजिस्टर तथा परिवार रजिस्टर सहित उपस्थित आया। उक्त रिकार्ड का अवलोकन किया गया। जन्म पंजीकरण रजिस्टर में वर्ष 2002 के अन्तर्गत विवादित नवजात शिशु का जन्म दिनांक 19-9-2002 को ही होना पाया गया, जिसका पंजीकरण शिशु के पिता तथा श्रीमती तोता देवी, प्रधान के पति श्री गोपाल सिंह द्वारा स्वयं ही दिनांक 2-10-2002 को क्रम संख्या 32 पर दर्ज करवाया जाना पाया गया है। परिवार रजिस्टर के पृष्ठ संख्या 116 के अनुसार यह नवजात शिशु श्री गोपाल सिंह व श्रीमती तोता देवी दम्पति का तीसरा बच्चा होना पाया गया है। पृ0 सं0 116 के अनुसार श्री गोपाल सिंह व श्रीमती तोता देवी, प्रधान दम्पति के पास उक्त नवजात शिशु के अतिरिक्त दिनांक 8-4-1995 को जन्मी एक पुत्री तथा दिनांक 15-8-2000 को जन्मा एक पुत्र दर्ज होने पाए गए हैं।

यह कि ऊपरवर्णित गोदनामा उप-पंजीपाल, रेणुका द्वारा दिनांक 8-5-2002 को पंजीकृत करवाया गया और विवादित नवजात शिशु का जन्म दिनांक 19-9-2002 को हुआ है। गोदनामा के अनुसार उक्त दम्पति श्री गोपाल सिंह व श्रीमती तोता देवी, प्रधान द्वारा दिनांक 15-8-2000 को जन्मा अपना पुत्र पंकज कुमार, श्री बलदेव सिंह पुत्र वंशी को गोद दिया जाना दर्शाया गया है, जबकि श्री गोपाल सिंह के पिता का नाम श्री मांगा राम दर्ज होना पाया गया है। परिवार रजिस्टर के पृ0 सं0 185 में उप-मण्डल अधिकारी (ना0), नाहन के आदेश सं0 6-उ0मं0 अ0 (ना) नाहन/2002 59-390, दिनांक शून्य द्वारा पृ0 सं0 116 पर दर्ज श्री बलदेव सिंह के परिवार से श्री गोपाल सिंह व श्रीमती तोता देवी, प्रधान का परिवार अलग कर दर्ज किया गया है, जिसमें केवल श्री गोपाल सिंह परिवार का मुखिया तथा श्रीमती तोता देवी, पत्नी व दिनांक 8-4-95 तथा दिनांक 19-9-2002 को जन्मी पुत्रियां ही दर्ज होनी पाई गई हैं। दिनांक 15-8-2000 को जन्मा पुत्र श्री पंकज कुमार, जिसके बारे तथाकथित गोदनामा पंजीकृत करवाया गया है, का नाम अलग करवाए गए परिवार में दर्ज करवाया जाना नहीं पाया गया है।

यह कि परिवार रजिस्टर के पृ० सं० 116 में श्री बलदेव सिंह पुत्र श्री बन्सी राम की दो पत्नियाँ श्रीमती मेहदी देवी तथा श्रीमती हरदेवी तथा श्री रणदीप (पुत्र), कुमारी भोरा देवी (पुत्री), श्री राजेश कुमार (पुत्र) तथा सुमन देवी (पुत्री) दर्ज होने पाए गए हैं, जबकि तथाकथित पंजीकृत गोदनामा में श्री बलदेव सिंह के कोई भी औलाद नहीं होने का वर्णन किया गया है।

यह कि ऊपर वर्णित तथ्यों से यह निष्कर्ष निकला है कि चूँकि तथाकथित पंजीकृत गोदनामा, दिनांक 8-5-2002 तथा विवादित नवजात शिशु के जन्म, दिनांक 19-9-2002 के मध्य केवल चार महीने की अवधि का ही अन्तर है तथा गोदनामा के पंजीकरण के समय श्रीमती तोता देवी गर्भवती होनी सुनिश्चित थी। अतः गोदनामा पंजीकृत करवाया जाना श्रीमती तोता देवी प्रधान को अपना पद सुरक्षित रखने हेतु सुनियोजित योजना के अन्तर्गत होना पाया जाता है तथा कथित श्री बलदेव सिंह को औलादहीन दर्शा कर वास्तविकता को छुपाया गया है। इसके अतिरिक्त हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) में उक्त अधिनियम के वर्ष 2000 के 18वें संशोधन अधिनियम की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड (ण) में गोदनामा के प्रभाव का कोई भी प्रावधान नहीं रखा गया है। ऊपरवर्तित तथ्यों तथा अभिनेत्रों से श्रीमती तोता देवी, प्रधान द्वारा दिनांक 19-9-2002 को तीसरे शिशु को जन्म दिए जाने वाले तथ्य की पुष्टि हो जाती है।

अतः मैं, आंकार शर्मा, भा० प्र० से०, उपायुक्त, जिला सिरमौर, नाहन, हि० प्र०, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(2)(11), के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीमती तोता देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत, रणकुआ जबडोग, विकास खण्ड संगड़ाह को उक्त अधिनियम की धारा 122(1) में उक्त अधिनियम के वर्ष 2000 के 18वें संशोधन अधिनियम, की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड (ण) के अन्तर्गत प्रधान पद पर बने रहने हेतु अयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम की धारा 131(1) (क) के अन्तर्गत प्रधान, ग्राम पंचायत, रणकुआ जबडोग के पद को रिक्त घोषित करता हूँ। ग्राम पंचायत रणकुआ जबडोग के प्रधान पद रिक्त हो जाने के फलस्वरूप प्रधान पद को समस्त कार्यो का निर्वहन उप-प्रधान द्वारा किया जाएगा।

नाहन, 29 अप्रैल, 2003

क्रमांक पी० सी० एन०-एन० एम० आर० (धारा-122/2003-2495-2522.—विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई है कि श्री हरसू राम, अध्यक्ष, पंचायत समिति, शिलाई, जिला सिरमौर, जो पंचायत समिति, शिलाई के वार्ड नं० 6-काण्डों भटनोल (अ० जा०) सदस्य भी निर्वाचित है, के यहां दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त आठवें शिशु का जन्म हुआ है। इस तथ्य की पुष्टि हेतु श्री हरसू राम तथा ग्राम पंचायत काण्डों भटनोल के ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी को जन्म पंजीकरण रजिस्टर तथा परिवार रजिस्टर सहित उपस्थित आने हेतु नोटिस जारी किए गए।

श्री हरसू राम बावजूद तामील नोटिस उपस्थित नहीं हुआ जिसके विरुद्ध यकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। ग्राम पंचायत काण्डों भटनोल का ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी तलबिदा रिकार्ड सहित उपस्थित आया। परिवार रजिस्टर के पृष्ठ सं० 28 के अवलोकन से पाया गया कि हरसू राम की दो पत्नियाँ, श्रीमती रूकमी देवी तथा श्रीमती गणेशो देवी होनी पाई गई हैं तथा जन्म पंजीकरण रजिस्टर के अवलोकन से श्री हरसू राम की पत्नी श्रीमती गणेशो देवी द्वारा दिनांक 17-12-2001 को एक शिशु (स्त्री) का जन्म होना पाया गया, जिसका पंजीकरण क्र० सं० 3 पर दिनांक 18-12-2001 को श्री हरसू राम द्वारा स्वयं करवाया जाना पाया गया। परिवार रजिस्टर की प्रविष्टियों के अनुसार यह शिशु श्री हरसू राम का नौवां बच्चा होना पाया गया। इस प्रकार श्री हरसू राम, अध्यक्ष, पंचायत समिति, शिलाई के विरुद्ध उपरोक्त तथ्य का पुष्टि हो जाती है।

अतः मैं, आंकार शर्मा (भा० प्र० से०), उपायुक्त, जिला सिरमौर, नाहन, हिमाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (2) (11) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग



करते हुए उक्त अधिनियम की धारा 122 (1) (ण) के अन्तर्गत श्री हरसू राम को पंचायत समिति शिलाई के वार्ड नं० 6-काण्डों भटनोल के सदस्य तथा पंचायत समिति शिलाई के अध्यक्ष पद पर बने रहने हेतु अयोग्य घोषित करना हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131 (2) के अन्तर्गत पंचायत समिति, शिलाई के अध्यक्ष पद तथा पंचायत समिति, शिलाई के वार्ड नं० 6-काण्डों भटनोल के सदस्य पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

नाहन, 29 अप्रैल, 2003

क्रमांक पी० सी० एन०-एस० एम० आर० (धारा-122)/2003-2557-59.—यह कि जिला सिरमौर की पंचायती राज संस्थाओं निम्नवर्णित पदाधिकारियों के बारे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) में उक्त अधिनियम के वर्ष 2000 के 18वें संशोधन की धारा 19 द्वारा अन्तः स्थापित खण्ड (ण) में विनिर्दिष्ट अवधि दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त दो से अधिक अतिरिक्त शिशुओं को जन्म दिए जाने की सूचना विश्ववर्गीय सूत्रों से प्राप्त हुई है :—

क्र० स०	पदाधिकारियों का नाम, पद तथा पंचायती राज संस्था का नाम व विकास खण्ड का नाम	परिवार रजिस्टर के अनुसार 8-6-2001 से पूर्व जीवित बच्चों की संख्या	विनिर्दिष्ट अवधि 8-6-2001 के उपरान्त जन्मे शिशु की जन्म तिथि	जन्म पंजीकरण रजिस्टर की पृ० सं०, क्र० सं० व पंजीकरण की तिथि	आरक्षण
1	2	3	4	5	6
1.	श्रीमती तारा देवी, सदस्य, वा० नं० 5 सखौली, ग्राम पंचायत सखौली, विकास खण्ड पांवटा साहिब।	4 बच्चे पृ० सं० 66, पर दर्ज हैं	16-3-2003	क्र० सं० 49 6-4-2003	महिला
2.	श्री नागेन्द्र सिंह, सदस्य, वा० नं० 4, धरोटी-2, ग्राम पंचायत, कोठिया झाजर, विकास खण्ड, राजगढ़।	2 बच्चे पृ सं० शून्य म० नं० 122(1) के अन्तर्गत दर्ज है।	26-1-2002	क्र० सं० 4 27-2-2002	अनारक्षित
3.	श्रीमती लाल देई, सदस्य, वार्ड नं० 2-खडकाहो-2, ग्राम पंचायत सखौली, विकास खण्ड शिलाई।	4 बच्चे पृ० सं० शून्य, म० नं० 62 के अन्तर्गत दर्ज है।	7-2-2003	क्र० सं० 1 2-3-03	अ०जा०म०

यह कि उपरोक्त तथ्यों की पुष्टि हेतु उपरोक्त पदाधिकारियों को तथा सम्बन्धित ग्राम पंचायतों के ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारियों को नोटिस जारी किए गए, किन्तु उपरोक्त पदाधिकारियों में से कोई भी पदाधिकारी बावजूद तामील नोटिस के उपस्थित नहीं आया तथा इन सबके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। उपरोक्त ग्राम पंचायतों के ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत परिवार रजिस्ट्रों तथा जन्म पंजीकरण रजिस्ट्रों के अवलोकन से उक्त तथ्यों की पुष्टि हो गई है।

अतः मैं, श्रीकार शर्मा, भा० प्र० से०, उपायुक्त, जिला सिरमौर, नाहन, हिमाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 121(2)(11) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरवर्णित समस्त तीनों पदाधिकारियों को उक्त अधिनियम की धारा 122(1) में इस अधिनियम के वर्ष 2000

के 18वें संशोधन की धारा 19 द्वारा अन्तः स्थापित खण्ड "ण" के अन्तर्गत अयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131(2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस अधिनियम की धारा 131(1) (क) के अन्तर्गत उपरवर्णित ग्राम पंचायतों के वार्डों के सदस्य पदों को रिक्त घोषित करता हूँ।

नाहन, 2 अप्रैल, 2003

संख्या पी0 सी0 एन0-एस0 एम0 आर0 (5) 50(11)/96-2652-60.—खण्ड विकास अधिकारी, पच्छाद, जिला सिरमौर (हि0 प्र0) से श्रीमती किरणबाला, उपाध्यक्ष, पंचायत समिति, पच्छाद का उपाध्यक्ष से त्याग-पत्र प्राप्त हुआ है। यह त्याग-पत्र श्रीमती किरण बाला ने अपने निजी कारणों से स्वेच्छा से दिया है।

अतः मैं, श्रीकार शर्मा, भा0 प्र0 से0, उपायुक्त, जिला सिरमौर, नाहन, हि0 प्र0 पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 135(3) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130(2) के अन्तर्गत श्रीमती किरण बाला का त्याग-पत्र पंचायत समिति, पच्छाद के उपाध्यक्ष पद से स्वीकार करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131(2) के अन्तर्गत पंचायत समिति, पच्छाद के उपाध्यक्ष पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

श्रीकार शर्मा,  
उपायुक्त,  
जिला सिरमौर, नाहन (हि0 प्र0)।